अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्था

३५३६. श्री म० ला० द्विवेदी : क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्था को सरकार वार्षिक कितना अनुदान देती है; और

(ख) इस संस्था को बीमारों से औषधि आदि की कीमत वसूल करने के रूप में १९६१–६२ में अब तक कितनी आय हुई ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करमरकर) : (क) अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्था को स्वीकृत वार्षिक अनुदान इस प्रकार हैं :—

वर्ष	अनुदान
१९५६–५७—	४,०४,०००.०० रुपये
१९५७–५८—	२२,७४,०००.०० रुपये
१९५८–५९—	२३,००,०००.०० रुपये
१९५९–६०—	७५,००,०००.०० रुपये
१९६०–६१–	१०७,८४,०००.०० रुपये
१९६१–६२—	५०,००,०००.०० रुपये

(पहली किश्त)

(ख) रोगियों से ली गई दवाइयों आदि की कीमत के रूप में संस्था की १९६१–६२ के अन्तर्गत अब तक की आय : २१,२०७.३४ रुपये (३१-७-१९६१ तक) ।

उर्वरक

३५३७. श्री म० ला० द्विवेदी : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जो उर्वरक कानपुर जिले के किसानों को ३८ रुपये प्रति मन की दर से वितरण के लिये रखे गये थे वे बंगाल, मद्रास और मध्य प्रदेश राज्यों के व्यापारियों को १२५ रुपये प्रति मन की दर से बेच दिये गये हैं;

(ख) क्या सरकार ने इन मामलों की जांच की है;

(ग) यदि हां, तो उन में कितने रुपयों की गड़बड़ है; और

(घ) इस विषय में क्या कार्यवाही की गई है ?

कृषि मंत्री (डा० पं० शा० देशमुख) : (क) से (घ). राज्य के अन्दर उर्वरकों के वितरण का कार्य राज्य सरकार का है और इसलिए उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार से पूछताछ की गई । उन्होंने बताया है कि १ जनवरी १९६१ से अकार्बनिक उर्वरक (वहन नियंत्रण) आदेश १९६० के प्रवृत्त होने के बाद पिछले मासों में कानपुर जिले में चोर बाज़ारी या राज्य से बाहर उर्वरकों के निर्यात करने का कोई भी मामला उनके नोटिस में नहीं आया । इस प्रकार के कुछ मामले पहले नोटिस में आये थे और जांच के लिए पुलिस को सौंप दिये गये थे ।

उर्वरक वितरण जांच समिति

३५३८. श्री म० ला० द्विवेदी : क्या **खाद्य तथा कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उर्वरक वितरण जांच समिति की इन सिफारिशों पर कि उर्वरकों पर बिक्री-कर की छूट दी जाये और किसानों को उर्वरक कम से कम मूल्य पर दिये जायें तथा उर्वरकों के लिये ऋण की उचित व्यवस्था की जाये, कृषि मन्त्रालय ने क्या निर्णय लिये हैं;

(ख) यदि इन सिफारिशों पर अब भी विचार किया जा रहा है, तो इन पर निर्णय करने में अभी और कितना समय लगेगा, और

(ग) इन सिफारिशों में से किसी को भी सरकार द्वारा न मानने का क्या कारण है ?

कृषि मंत्री (डा० पं० शा० देशमुख) : (क) से (ग). इस मन्त्रालय द्वारा किये गये